महिमा शिव की न्यारी है।
हम भक्तो को प्यारी है।।

ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।।

शरण तुम्हारी जो भी आया।
भव सागर से उसे बचाया।।

ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।।

मृत्युंजय है नाम तुम्हारा।
तुमसे करता काल किनारा।।

ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।।

भक्तो खातिर गरल पिया।
नील कंठ का नाम लिया।।

ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।।

राम कथा के गायक तुम हो।
प्रलय काल के नायक तुम हो।।

ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।।

योगी तुम हो तुम सन्यासी।
हम घट है तुम घट घट वासी।

ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।।

काम देव भी तुमसे हारे।
तुमने ढेरो पातक तारे।।

ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।।

तुम कल्याणी तुम सुखराशी।
सबके हित में बसते काशी।।

ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।।

मेरी चाहत केवल इतनी।
मुझको दे दो भक्ती अपनी।।

ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।।

अन्त समय जब आये हमारा।
होंठो पर हो नाम तुम्हारा।।

ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय।।